स॰ ग्रो॰वि॰/एफ.डी./100-86/36169.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं॰ परएँवट पैक लि. (पेपर डिविजन), 27, इण्डस्ट्रीयल एरिया, परीदाबाद, के श्रमिक शी∗तकी श्रहमद मार्फत श्री के॰ एल० शर्मा, जी-15, पुराना पैस कालोनी, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके दाद लिखित मामले में कोई श्रीदोगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गर्ड शिवतयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधियुचना सं० 5415—3-श्रम/68/15254, दिनांक 20 जून 1978, के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं० 11495-जी-अम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जो कि उन्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्री तकी ग्रहमद की सेवाम्रो का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह विस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि०/एफ०डी०/124-86/36176—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि में. लाईट कन्ट्रोल, 56-डी, एन.ग्राई.टी.,फरीदावाद, के श्रमिक श्री रामसुमेर श्रीवास्तव, मार्फत श्री णिवचरन पंडित, गांव सारन, डा० प्रैस कलोनी, फरीदावाद तथा उसके अवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

क्षीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, यब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 5415-3-थम/68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए श्रिधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री रामसुमेर श्रीवास्तव की सेवाभ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत क हंकदार है ? दिनांक 1 अनतुबर, 1986

संव म्रोविव/एफव्डीव/154-86/36499.—चुंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैव अमरपाली स्ट्रक्चरल प्राव लिव, मथुरा रोड, फरीबाबाद, के श्रमिक ब्रह्मा सिंह, पुत्र श्री राजा सिंह, राजेन्द्र कलोनी, लिक रोड़, फरीबाबाद, तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई मोद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करता बांछनीय समझते हैं;

इसिलिये, श्रव, श्रोद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपवारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यशाल इसके द्वारा सरकारी श्रधिसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए श्रधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7 के श्रवीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त को उससे सुसंगत था उससे सम्यन्धित नीचे लिखा गामला न्याय-निर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित मामला है :--

क्या बहुमा सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोजित तथा ठीक है? यदि नहीं, वह किस राहत का हकदार है? संव ग्रोविव/एफव्डीव/162-86/36506.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैंव शिरधर सिल्क मिल प्राविद्य , 27-ए, ब्लाट नंव 68, ग्रमर नगर, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री ग्रानिस्थ मार्फत ग्राखिल गारतीय किसान मजरूर संगठन, सराय खोजा, फरीदाबाद, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ग) हारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदावाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है था विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री अनिरुध की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?